टूर संदर्भ
LKZV76ACD6

पूर्व की ओर पलायन (10 दिन)

10 दिन · 9 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह दस दिवसीय दौरा नेगोम्बो से जाफना प्रायद्वीप तक, त्रिंकोमाली के पूर्वी तट पर और सांस्कृतिक त्रिभुज से होते हुए कोलंबो में समाप्त होता है। यह उत्तर की तमिल विरासत स्थलों, पूर्वी तट पर तटीय समय व्हेल देखने और द्वीप भ्रमण, और सांस्कृतिक हृदयभूमि के प्राचीन शहरों, गुफा मंदिरों और चट्टान किले को जोड़ता है।

यात्रियों को एक ही यात्रा में श्रीलंका का व्यापक अनुभाग मिलता है: दो हजार साल पहले की विरासत वाले हिंदू और बौद्ध मंदिर, त्रिंकोमाली के पास व्हेल देखने का सफारी, मिन्नेरिया में सूखे क्षेत्र का हाथी सफारी, सिगिरिया चट्टान पर चढ़ाई, और सिगिरिया के पास एक गाँव का अनुभव जिसमें बैल गाड़ी की सवारी, कैटामरैन यात्रा और घर का बना खाना शामिल है। दौरा कोलंबो के स्थलों के दौरे के साथ बंद होता है और फिर घर की उड़ान।

दौरा पूरे समय Lakpura® चालक गाइड द्वारा एक वातानुकूलित वाहन में चलाया जाता है, जो हवाई अड्डे के स्थानांतरण को संभालता है, प्रत्येक पड़ाव के बीच ड्राइव करता है और शामिल दौरे और सफारी के साथ जाता है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 बीआईए → नेगोंबो

आगमन का दिन: कोलंबो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर औपचारिकताओं के बाद, एक Lakpura चालक-गाइड यात्रियों से मिलता है और उन्हें चेक-इन के लिए नेगोंबो ले जाता है।

दिन 2 नेगोंबो → जाफना

उत्तर की ओर जाफना की यात्रा में चिलाव में एक पड़ाव शामिल है, इससे पहले कि यात्रा प्रायद्वीप की ओर जारी रहे, जहाँ शहर के मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों की सैर की जा सकती है।



मुन्नेश्वरम कोविल

चिलाव के पास एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय हिंदू मंदिर परिसर, जिसका इतिहास कम से कम 1000 ईस्वी तक जाता है, और जिसकी कथाएँ रामायण और उसके नायक-राजा राम से जुड़ी हैं। यह इस क्षेत्र में शिव को समर्पित पांच प्राचीन मंदिरों में से एक है।

Leon Meerson · CC BY-SA 2.0

जाफना शहर और मंदिर

उत्तरी प्रायद्वीप की राजधानी जाफना में नल्लूर, नैनातिवु और मावित्तपुरम जैसे हिंदू मंदिर हैं, जिनका संयुक्त इतिहास चार हज़ार वर्षों से भी अधिक पुराना है। अन्य आकर्षणों में डच किला, युद्ध स्मारक, सरस्वती महल पुस्तकालय, नागदीप विहार और जाफना के अंतिम राजा चंकिली प्रथम का महल शामिल हैं।

दिन 3 जाफना → जाफना

जाफना के उत्तर में नागदीप द्वीप की एक दिन की यात्रा, जिसे सिंहलियों द्वारा नागदीप और प्राचीन काल में मणिपल्लवम के नाम से जाना जाता था, जो कभी नाग-पूजक नागा लोगों का घर था।



नागदीप पुराण विहारय

श्रीलंका के सोलह पवित्र बौद्ध स्थलों में से एक, माना जाता है कि बुद्ध यहाँ अपनी द्वीप की दूसरी यात्रा के दौरान रुके थे, जिसकी अपनी विशिष्ट वास्तुकला और इससे जुड़ी कथाएँ हैं।

derivative work: Taprobanus (talk) NainathivuNahaVihara.JPG: Regunathan Umapathy · Public domain



नैनातिवु नागपूषणी अम्मन मंदिर

एक हिंदू मंदिर जिसका दर्ज इतिहास कम से कम दो हज़ार वर्ष पुराना है, जिसका उल्लेख टॉलेमी ने किया था, और जो देवता इंद्र की कथाओं से जुड़ा है। इसकी द्रविड़ वास्तुकला में चार गोपुरम, कई मंडपम और मंदिर रथ शामिल हैं, और यह विश्व के केवल 64 शक्ति पीठों में से एक है।

Wikinamaste · CC BY-SA 3.0

दिन 4 जाफना → त्रिंकोमाली

यह मार्ग दक्षिण-पूर्व की ओर त्रिंकोमाली तक जारी रहता है, जहाँ दोपहर बंदरगाह को देखने वाले पहाड़ी मंदिर और किले में बिताई जाती है।



कोणेश्वरम मंदिर

एक प्राचीन मंदिर जिसकी भारतीय कवि-संतों ने प्रशंसा की है, जिसकी भित्तिचित्रों में इसका इतिहास दर्शाया गया है। इसका गुफा मंदिर लगभग 1580 ईसा पूर्व का है और मुख्य मंदिर लगभग 400 ईसा पूर्व का है, और यहाँ राजा रावण की एक विशाल मूर्ति है, जिन्होंने किंवदंती के अनुसार यहाँ पूजा की थी।

Shamli071 · CC BY-SA 3.0



फोर्ट फ्रेडरिक

1624 में पुर्तगालियों द्वारा मूल कोणेश्वरम मंदिर से लिए गए पत्थरों का उपयोग करके बनाया गया, जिसे बाद में डचों ने तोड़कर फिर से बनाया।

AntanO · CC BY-SA 4.0

दिन 5 त्रिंकोमाली → त्रिंकोमाली

एक दिन जिसमें एक समुद्री पार्क की यात्रा और त्रिंकोमाली के अंतर्देशीय एक प्राचीन बौद्ध स्थल पर दोपहर बिताना शामिल है।



पिजन आइलैंड राष्ट्रीय उद्यान

एक राष्ट्रीय उद्यान जो एक छोटे और एक बड़े पिजन द्वीप से बना है, जो कोरल रीफ से घिरा है, और जो प्रजनन करने वाले रॉक पिजन तथा विभिन्न प्रकार के कोरल और समुद्री जीवन का घर है।

AntanO · CC BY-SA 4.0



थिरियाया वटादगे

एक गाँव जो कभी तमिल बौद्ध धर्म का घर था, जिसमें गिरिहदु सेया स्तूप शामिल है, जिसे कहा जाता है कि यह वह स्थान है जहाँ बुद्ध ने दो व्यापारियों को बाल अवशेष दिए थे, और अंतिम वन्नियार मुखियाओं में से एक के किले के अवशेष भी यहाँ हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 6 त्रिंकोमाली → त्रिंकोमाली

तट पर व्हेल देखने की सफारी के लिए समुद्र में पूरा दिन।



व्हेल देखने की सफारी

एक योग्य प्रकृतिवादी के मार्गदर्शन में, श्रीलंका के दक्षिण में पानी में ब्लू व्हेल, स्पर्म व्हेल और फिन व्हेल को देखने के लिए पैक्ड नाश्ते के साथ पाँच घंटे की नाव यात्रा, जिसके बाद शाम होटल में आराम से बिताई जाती है।

Ji-Elle · CC BY-SA 3.0

दिन 7 त्रिंकोमाली → पोलोन्नारुवा → मिन्नेरिया → दाम्बुला

यह दौरा अंतर्देशीय प्राचीन शहर पोलोन्नारुवा की ओर बढ़ता है, इससे पहले कि दाम्बुला के रास्ते में मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान में शाम की सफारी हो।



पोलोन्नारुवा

श्रीलंका की दूसरी प्रमुख राजधानी, जो 10वीं से 13वीं शताब्दी ईस्वी के बीच फली-फूली। इसके खंडहरों में गल विहार, वटादगे, लोटस बाथ, लंकातिलक मंदिर और राजा पराक्रमबाहु की एक मूर्ति शामिल है, जिनके शासनकाल को शहर का स्वर्णिम युग माना जाता है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0



मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान

पार्क के माध्यम से तीन घंटे की शाम की सफारी, जो मई से अक्टूबर के शुष्क मौसम में 150 से अधिक हाथियों के महान हाथी समागम के लिए जानी जाती है, साथ ही अन्य स्तनधारी, पक्षी, रेप्टाइल और उभयचर भी यहाँ पाए जाते हैं।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0

दिन 8 दाम्बुला → सिगिरिया → दाम्बुला

इस दिन में सिगिरिया चट्टान पर चढ़ाई, पास के एक गाँव का अनुभव, और दाम्बुला के गुफा मंदिर शामिल हैं।



सिगिरिया रॉक फोर्ट्रेस

राजा कस्सपा द्वारा निर्मित 5वीं शताब्दी ईस्वी का एक चट्टानी किला, जिसमें विशाल सिंह के पंजों से घिरे एक द्वार से प्रवेश किया जाता है। चढ़ाई के दौरान प्रसिद्ध भित्तिचित्र, सीढ़ीदार बगीचे, कार्यशील जलाशय और पूर्व महल तक जाने वाली सुरंगें देखने को मिलती हैं।

Wrobell · CC BY-SA 3.0



सिगिरिया गाँव यात्रा

एक गाँव का अनुभव जिसमें बैलगाड़ी की सवारी, एक शांत झील पर कैटामरन यात्रा, धान के खेतों में सैर, एक परंपरागत खाना पकाने का प्रदर्शन, और लोटस की पत्तियों पर परोसा गया घर का बना भोजन शामिल है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



दाम्बुला गुफा मंदिर

दाम्बुला का गोल्डन टेम्पल, जिसका इतिहास पहली शताब्दी ईसा पूर्व का है, जिसमें बुद्ध के जीवन को दर्शाने वाले भित्तिचित्र और अपने पाँच मुख्य गुफाओं में सैकड़ों बुद्ध और देवता की मूर्तियाँ हैं, जिनमें दिव्य राजा की गुफा और महान राजा की गुफा शामिल हैं, साथ ही परिसर के बाहर एक बड़ी सुनहरी बुद्ध प्रतिमा भी है।

Lankapic · CC BY 2.5

दिन 9 दाम्बुला → कोलंबो

यात्रा का अंतिम दिन श्रीलंका की व्यावसायिक राजधानी कोलंबो की सैर में बिताया जाता है।



कोलंबो शहर यात्रा

पुराना लाइटहाउस, पुरानी संसद, गॉल फेस होटल, गॉल फेस ग्रीन, गंगारामया मंदिर और राष्ट्रीय संग्रहालय जैसे स्थलों के साथ-साथ स्वतंत्रता चौक, रेस कोर्स क्षेत्र और शॉपिंग जिलों का भी भ्रमण।

Gihanud2001 · CC0

दिन 10 कोलंबो → बीआईए

एक आराम भरी सुबह के बाद, यात्री चेक-आउट करते हैं और अपनी प्रस्थान उड़ान के लिए एयरपोर्ट ले जाए जाते हैं।

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a Private Vehicle, inclusive of all chauffeur accommodation.
- Service of an English-Speaking Chauffeur Guide throughout the tour.
- All prevailing taxes and service charges.

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation.
- International / Domestic Airfare.
- Any expenses of personal nature.
- Entrance fees to the respective sites.